मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 6, मुंबई, गुरुवार, 27 फरवरी, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
अब हर सच होगा उजागर

'चूड़ियां पहन रखीं' पर... सियासी उबाल

आदित्य ठाकरे को अमृता फडणवीस का करारा जवाब

मुंबई। एआईएमआईएम नेता वारिस पठान के '100 करोड़ पर 15 करोड़' भारी वाले बयान पर जारी राजनीतिक उठापटक फिलहाल थमती नजर नहीं आ रही है। वारिस को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना को उसकी चुप्पी पर घेरा और कहा कि शिवसेना ने चूड़ियां पहन रखी हैं। इस बयान पर माफी की मांग करते हुए शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि चूड़ियां महिलाएं पहनती हैं जो बेहत मजबूत होती हैं। हालांकि, ठाकरे को देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने दो टूक जवाब देते हुए कहा कि हमेशा परिवार का फायदा लेने वाला बता डाला है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

शुध्द घी में बना
केसरीया मलाई घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

शीना बोरा हत्याकांड: सीबीआई कोर्ट में इंद्राणी का खुलासा

मर्डर की तारीख के 6 महीने बाद तक जिंदा थी शीना, ब्वॉयफ्रेंड राहुल से बातचीत होती थी

(समाचार पृष्ठ 5 पर)

'दिल्ली में हिंसा ने सिख विरोधी दंगों के जख्म हरे कर दिए'

संवाददाता

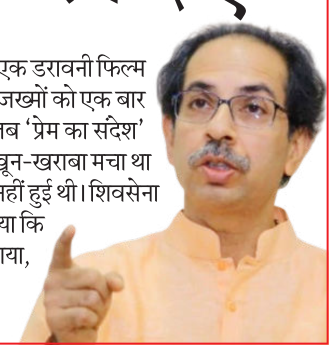

मुंबई। शिवसेना ने दिल्ली की इस भयावह स्थिति को एक डरावनी फिल्म करार देते हुए कहा कि इसने 1984 सिख विरोधी दंगों के जख्मों को एक बार फिर ताजा कर दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब 'प्रेम का संदेश' देने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंचे तब उसकी सड़कों पर खून-खराबा मचा था और इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी की कभी इतनी बदनाम नहीं हुई थी। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में अफसोस जताया कि ऐसे समय जब दिल्ली में डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत किया गया, उस समय सड़कों पर खून-खराबा मचा था।
(शेष पृष्ठ 5 पर)

सुप्रीम कोर्ट की पुलिस को फटकार

दिल्ली में हिंसा

हाईकोर्ट ने कहा- 1984 जैसे हालात नहीं बनने दे सकते

सिक्युरिटी वाले लोगों में भरोसा जगाएं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अगर दिल्ली पुलिस ने पूरे मामले में वक्त रहते कार्रवाई की होती तो ये हालात नहीं होते

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शनों में हिंसा, भड़काऊ बयानों और इस पर पुलिस कार्रवाई को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में अलग-अलग सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने शाहीन बाग मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली के मौजूदा हालात पर सख्त टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली की हिंसा में लोगों की मौत से हैरान हैं। पुलिस ने पेशेवर तरीके से कार्रवाई नहीं की, हमें ब्रिटिश पुलिस से सीख लेनी चाहिए। ब्रिटेन और अमेरिका की पुलिस को कार्रवाई के लिए इधर-उधर नहीं देखना पड़ता है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

युवक की पिटाई के आरोप में शिवसेना नेता गिरफ्तार, सिर्फ 2 घंटे में मिली जमानत

मुंबई। 26 जनवरी की रात को माटूंगा स्टेशन पर लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को मारने और उसका फेसबुक लाइव वीडियों बनाने के आरोप में शिवसेना नेता नितिन नांदगांवकर को पहले गिरफ्तार किया गया। हालांकि, गिरफ्तारी के सिर्फ दो घंटे बाद ही उन्हें जमानत दे दी गई।

एनटॉप हिल पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों ने शुक्रवार को शिवसेना कार्यकताओं को गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया, "शिवसेना कार्यकताओं की पहचान नितिन नांदगांवकर और दर्शनबीर सिंह सुरजीत सिंह कोचर के रूप मे हुई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। रजीवुर रहमान हबीबुर रहमान खान ने इन दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार नांदगांवकर और सिंह ने खान को फोन किया और कुछ काम से पार्टी की एनटॉप हिल शाखा आने को कहा, लेकिन जब वह वहां पहुंचे तो दोनों ने उन्हें पीटा। पुलिस के अनुसार, खान को सीटीटीवी कैमरे में एक महिला को घूरते और छेडछाड़ करते हुए माटुंगा रेलवे स्टेशन पर देखा जा सकता है। सीसीटीवी का जो वीडियो सामने आया है, उसमें माटुंगा स्टेशन में एक छात्रा अपने घर जाती हुई दिखाई दे रही है। अकेली छात्रा ब्रिज से होकर जा रही है, उसके आसपास कोई भी नहीं है। तभी सिरफिरा युवक पीछे से आता है और अचानक लड़की को चूम कर भाग जाता है। अचानक हुई इस घटना से छात्रा डर जाती है। यह सारी घटना स्टेशन में लगे सीसीटीवी में कैद हो जाती है।

दंपती और 2 बच्चों के शव मिले

मुंबई। नवी मुंबई में एक व्यापारी, उसकी पत्नी और 2 बच्चों के शव एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स से बरामद हुए हैं। पुलिस का कहना है कि व्यापारी ने पहले पत्नी और बच्चों की गला दबाकर हत्या की, फिर खुद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। व्यापारी का नाम नितेश उपाध्याय बताया गया। वह मूल रूप से दिल्ली का रहने वाला था।

घटना कब की है, यह साफ नहीं हो पाया है। मकान मालिक ने कहा कि पिछले 2 महीने से उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा था। उन्होंने व्यापारी को फोन भी लगाया लेकिन मोबाइल बंद मिला। इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों की मदद से घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। घर में व्यापारी का शव फंदे से लटका था। बिस्तर पर पत्नी और बच्चों के शव पड़े थे। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने मौके से 2 सुसाइड नोट भी बरामद किए हैं। पहले सुसाइड नोट में लिखा है- हम आत्महत्या कर रहे हैं। कमरे में पत्र, सोना और कैश रखा है। जिसे भी हमारा शव मिले, वह हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार कर दे। हमारा कोई और नहीं है। जबकि दूसरे नोट में लिखा है कि हम अपनी मर्जी से यह कदम उठा रहे हैं। इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। फिलहाल, पुलिस ने परिवार की हत्या करने के आरोप में नितेश के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

उच्च न्यायालय की तीखी टिप्पणी: मालेगांव विस्फोट मामले में कोई प्रगति नहीं

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक तीखी टिप्पणी में कहा कि 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में मुकदमे में कोई प्रभावी प्रगति नहीं हुई है। इस मामले में भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर एक आरोपी हैं। उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से इस देरी पर सफाई भी देने को कहा।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बी. पी. धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति एन. आर. बोरकर की खंडपीठ मामले के दूसरे आरोपी समीर कुलकर्णी की अर्जी पर सुनवाई कर रही थी जिसमें दावा किया गया था कि अभियोजन, एनआईए और कुछ अन्य आरोपी जानबूझकर मुकदमे में देरी करा रहे हैं। कुलकर्णी ने इशारा किया कि उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2018 में मुंबई में विशेष एनआईए अदालत को आदेश दिया था कि मुकदमे में तेजी

© BCCL 2020. ALL RIGHTS RESERVED.

लाई जाए, लेकिन पिछले छह महीने में केवल 14 गवाहों से पूछताछ की गई है।

अदालत ने जनवरी 2019 में एनआईए अदालत के न्यायाधीश से कहा था कि अगर कोई व्यक्ति निचली अदालत के साथ सहयोग नहीं कर रहा तो सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट दी जाए। निचली अदालत द्वारा मंगलवार को जमा की गयी दो रिपोर्टों का अध्ययन करने के बाद उच्च न्यायालय ने कहा,ह्यप्रथमदृष्टया हमें पता चला कि अभी तक मुकदमे में कोई प्रभावी प्रगति नहीं हुई है।

पीठ ने एनआईए को यह बताने को कहा कि मुकदमा इतना लंबा क्यों चला। पीठ ने सुनवाई 16 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। महाराष्ट्र के मालेगांव कस्बे में 29 सितंबर, 2008 को एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बांधे गये विस्फोटक उपकरण से हुए विस्फोट में छह लोग मारे गये थे और 100 लोग घायल हो गये। पिछले साल भोपाल से लोकसभा चुनाव जीतने वाली प्रज्ञा सिंह ठाकुर मामले की मुख्य आरोपी हैं। अन्य आरोपियों में सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी और सुधाकर चतुर्वेदी हैं।

फडणवीस विपक्ष के नेता ही रहेंगे: शिवसेना

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना ने मंगलवार को यह कहने पर आरएसएस की आलोचना की कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लंबे समय तक विपक्ष में नहीं रहेंगे। महाराष्ट्र में किसी भी तरह के परिवर्तन की संभावना से इनकार करते हुए, शिवसेना ने फडणवीस से कहा है कि अपना काम करना जारी रखें। फडणवीस विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी ने हाल ही में कहा था कि देवेंद्र फडणवीस केवल सीमित अवधि के लिए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहेंगे। शिवसेना ने पार्टी के मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा, आरएसएस नेता भैयाजी जोशी ने नागपुर में एक निराधार बयान दिया कि देवेंद्र फडणवीस लंबे समय तक विपक्ष में नहीं रहेंगे और उनके नाम के साथ लगा उपसर्ग पूर्व जल्द ही खत्म हो जाएगा। उसमें कहा गया, इस टिप्पणी से विपक्षी दल मानसिक रूप से खुश हो सकते हैं, लेकिन महाराष्ट्र में ऐसा कुछ भी नहीं होगा। इसलिए, देवेंद्र जी हम आपसे केवल यह कह सकते हैं कि विपक्ष के नेता के रूप में अपना काम जारी रखें।

दिल्ली हिंसा का हवाला देकर पुरानी वीडियो साझा करने की शिकायत

मुम्बई। मुम्बई के एक निवासी ने पत्रकार राणा अय्यूब के खिलाफ दिल्ली हिंसा का हवाला देकर पुरानी वीडियो साझा करने की शिकायत दर्ज करा उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता रमेश ने दावा किया कि राणा ने समाज में और घृणा फैलाने और दिल्ली हिंसा को और बढ़ाने की मंशा से दिल्ली हिंसा का हवाला देते हुए दो साल पुरानी एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा की। रमेश ने मंगलवार को ऑनलाइन एक शिकायत दर्ज कराई और राणा के ट्वीट की फोटो भी अपलोड की।

कोर्ट में इंद्राणी मुखर्जी का सनसनीखेज दावा- 'मर्डर' के 6 महीने बाद भी जिंदा थी शीना बोरा

मुंबई। शीना बोरा मर्डर की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी ने अपनी जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान स्पेशल सीबीआई कोर्ट के सामने चौंकाने वाला दावा किया। इंद्राणी ने कहा कि 24 अप्रैल 2012 को कथित रूप से मर्डर के 6 महीने बाद तक शीना जिंदा थी और अपने मंगेतर राहुल मुखर्जी के साथ थी। इंद्राणी ने केस में पांचवीं बार जमानत याचिका दाखिल की है जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई।

राहुल के कॉल डेटा रेकॉर्ड का हवाला देते हुए इंद्राणी ने कोर्ट को बताया कि दोनों के बीच 26, 27 और 28 सितंबर को टेक्स्ट मेसेज का आदान-प्रदान हुआ था। इंद्राणी ने कोर्ट के सामने 27 सितंबर 2012 को दोनों के नंबर पर भेजे गए मेसेज पढ़े। इंद्राणी ने बताया, 'राहुल ने लिखा- बाबा एम इन द कार पार्क, कम न (बाबा मैं कार पार्क में हूं, जल्दी आओ न।)

इस पर शीना का रिप्लाइ आया- 5 मिनट, बब्स। उसके बाद राहुल का मेसेज आया- ए चलो जल्दी।' इंद्राणी ने बताया कि उसे जानबूझकर फंसाया जा रहा है, वह बेकसूर है। इंद्राणी ने कहा कि अगस्त 2015 में उसकी गिरफ्तारी के तुरंत बाद, पीटर मुखर्जी ने उसके अकाउंट से अपने और अपने दोनों बेटे राहुल और रबिन के अकाउंट में 6 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। इंद्राणी ने यह भी दलील दी कि अप्रैल 2012 में शीना के कथित मर्डर के बाद अगस्त 2015 में गिरफ्तारी तक उसने 19 बार भारत में और भारत के बाहर यात्रा की। इंद्राणी ने कहा, 'अगर मैंने ऐसा क्राइम किया होता तो मैं वापस क्यों आती?' इस मामले में दूसरे आरोपी पीटर मुखर्जी को बॉम्बे हाई कोर्ट ने 6 फरवरी को जमानत दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि पूरे मामले में प्रथमदृष्टया पीटर के खिलाफ अपराध में शामिल होने के ठोस सबूत नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने उइक के अनुरोध पर अपने आदेश पर छह हफ्ते की रोक लगा दी थी, ताकि जांच एजेंसी फैसले के खिलाफ अपील दायर कर सके। इसीलिए, फिलहाल पीटर को जेल में रहना होगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

CAA: डिटेंशन सेंटर बनाने की तैयारी कर रही है उद्धव ठाकरे सरकार

मुंबई। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को हरी झंडी मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र सरकार को मॉडल डिटेंशन सेंटर का मैनुअल जारी किया है। गठबंधन सरकार में इस मुद्दे पर कांग्रेस और एनसीपी के विरोध के बीच उद्धव सरकार ने तेजी दिखाते हुए एक अस्थायी डिटेंशन सेंटर को अपने कब्जे में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक स्थायी डिटेंशन सेंटर के लिए भी जमीन तलाशने की कवायद जारी है।

शिवसेना के सांसद अरविंद सावंत ने हाल ही में लोकसभा में सीएए और एनआरसी का मुद्दा उठाते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय से जानकारी मांगी थी। इसमें राज्यों के लिए मॉडल डिटेंशन सेंटर का मैनुअल, चालू

हालत वाले डिटेंशन सेंटर की संख्या, वर्तमान समय में इन डिटेंशन सेंटर में रखे गए लोगों की संख्या, सेंटर की क्षमता और निर्माणाधीन डिटेंशन सेंटर के बारे में ब्योरा मांगा गया था। शिवसेना सांसद ने पूछा था कि क्या गृह मंत्रालय ने राज्यों से डिटेंशन सेंटर बनाने के लिए कहा है।

इस पर एक लिखित जवाब में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को देखते हुए गृह मंत्रालय ने चर्चा के बाद एक मॉडल डिटेंशन सेंटर/ कैंप का मैनुअल तैयार किया है और यह सभी राज्य सरकारों को सकुर्लेट किया गया था।

इस मैनुअल में किसी विदेशी नागरिक को हिरासत में लेने और निर्वासन के संबंध में कानूनी प्रावधानों, हिरासत में लिए जाने वाले शख्स की कैटिगरी और उसे डिटेंशन सेंटर में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं जैसी बातें शामिल हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने जवाब में कहा, 'राज्य सरकारें अपनी जरूरत के हिसाब से ऐसे अवैध प्रवासियों को डिटेन करने के लिए डिटेंशन सेंटर बनाएं, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है और उनके देश में भेजे जाने की प्रक्रिया लंबित है।'

महाराष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, 'अब तक महाराष्ट्र में कोई अवैध प्रवासी हिरासत में नहीं लिया गया है।' राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 12 दिसंबर 2019 को सीएए को मंजूरी दे चुके हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने अब तक आधिकारिक गजट में इसका नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है, इस वजह से ऐक्ट अभी अमल में नहीं आया है।

सावरकर की पुण्यतिथि पर शिवसेना की परीक्षा

मुंबई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विनायक दामोदर सावरकर को लेकर बीजेपी ने शिवसेना को घेरने का मन बनाया है। बुधवार को बीजेपी राज्यभर में सावरकर की पुण्यतिथि मनाएगी, लेकिन उनकी नजर शिवसेना पर भी होगी। बीजेपी अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील ने कहा कि आज शिवसेना का सावरकर प्रेम परखा जाएगा।

बीजेपी चाहती है कि शिवसेना दोनों सदन में वीर सावरकर का 'गौरव प्रस्ताव' लाए जिसकी संभावना कम ही है। पाटील कहते हैं कि आज पता चलेगा कि सावरकर के प्रति शिवसेना कितना सम्मान रखती है या फिर उनके मन में सम्मान के नाम पर ढोंग है।

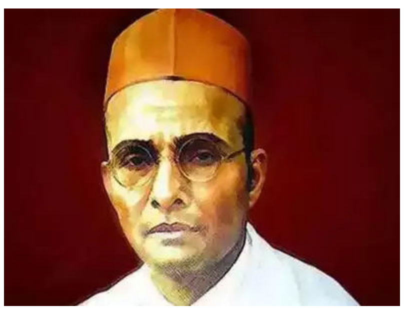

पाटील ने कहा कि देखते हैं, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे मातोश्री में सावरकर की तस्वीर पर माल्यार्पण करते हैं या फिर विधानमंडल में अभिनंदन प्रस्ताव लेकर आते हैं?

महाविकास आघाडी में कांग्रेस और शिवसेना के बीच वीर सावरकर को लेकर भारी मतभेद हैं। शिवसेना हमेशा वीर सावरकर को स्वतंत्रता सेनानी के तौर पर पेश करती रही है, जबकि हाल ही में महाराष्ट्र कांग्रेस की मासिक पत्रिका शिदोरी में वीर सावरकर को लेकर जो लेख छापे गए थे, बीजेपी ने उन्हें आपत्तिजनक करार देकर उसका विरोध किया था। तब शिवसेना चुप रही थी। जाहिर है शिवसेना इस मुद्दे पर कांग्रेस के साथ टकराव की स्थिति में नहीं है।

अब जनता सीधे नहीं चुनेगी सरपंच, प्रभाग पद्धति भी खत्म

मुंबई। महाराष्ट्र में अब नगर परिषद, नगर पंचायतों और ग्राम पंचायतों के अध्यक्षों/ सरपंच का चुनाव सीधे जनता नहीं बल्कि जनता द्वारा चुने गए नगर परिषद, नगर पंचायतों और ग्राम पंचायतों के सदस्य करेंगे। इस बारे में मंगलवार को बजट सत्र के दूसरे दिन विधानसभा में तीन संशोधन विधेयक पारित किए गए।

बता दें कि भाजपा की देवेंद्र फडणवीस सरकार के कार्यकाल में अध्यक्ष या सरपंच का चुनाव सदस्यों के कराए जाने की प्रणाली को बदलकर सीधे जनता के माध्यम से किया जाने लगा था। इससे अध्यक्ष/ सरपंचों और सदस्यों के बीच आए दिन विवाद और अविश्वास की स्थिति उत्पन्न हो रही थी।

राज्य सरकार के खिलाफ भाजपा का राज्यव्यापी प्रदर्शन

मुंबई। सरकार के कामकाज और महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार के खिलाफ मंगलवार को मुख्य विपक्ष दल भाजपा ने राज्यभर में 355 से अधिक स्थानों पर धरना आंदोलन किया। मुंबई में आंदोलन का केंद्र आजाद मैदान था जहां भाजपा के दिग्गज नेताओं ने पदाधिकारियों को संबोधित किया, लेकिन कार्यकर्ता, पदाधिकारी अपने नेताओं से नाराज नजर आए। भीड़ में बैठे लोग यही चर्चा करने में मशगूल थे कि जब सत्ता थी तब, तो देवेंद्र फडणवीस ने कार्यकर्ताओं को कभी पूछा नहीं और अब जब सत्ता से बाहर हो गए है तो लेक्चर देने आए हैं। राज्य भाजपा नेताओं और उच्च पदाधिकारियों के खिलाफ आम भाजपाइयों में गुस्सा है, जिसकी आंदोलन में चर्चा रही। यहीं नहीं मुंबई महानगरपालिका के नगरसेवकों में भी नाराजगी दिखाई दिखाई दी। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जब उन्हें संबोधित कर

रहे थे, तब कार्यकताओं में सुगबुगाहट थी कि ये विपक्ष में ही अच्छे लगते हैं। विधानपरिषद में विरोधी पक्ष नेता प्रवीण दरेकर को बनाए जाने से भी कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।

मंगलवार के आंदोलन के बाबत भाजपा ने दावा किया गया कि राज्यव्यापी आंदोलन में ढाई लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए। मुंबई के आजाद मैदान पर पार्टी के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस, चंद्रकात पाटील, आशीष शेलार, मंगलप्रभात लोढ़ा, सुधीर मुनगंटीवार, राज के पुरोहित जैसे अन्य दिग्गज नेता शामिल हुए। संबोधन के दौरान विरोधी पक्ष नेता देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस की महाविकास आघाडी सरकार पर चौतरफा हमला करते हुए एक शेर पढ़ा कि 'आज जो हुए मशहूर, जो कभी काबिल न थे, और मंजिल मिली उनको, जो दौड़ में शामिल न थे'। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील ने कहा कि महाविकास आघाडी सरकार के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा, यह संघर्ष जब तक जारी रहेगा, जब तक किसान, महिलाओं को न्याय नहीं मिल जाता। पूर्व वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने उद्धव सरकार पर हमला बोलते हुए इसे अब की बार, बाप-बेटे की सरकार, अब की बार स्थगन सरकार बताया। पिछली सरकार की योजनाओं की जांच को खुली चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि कितनी भी जांच करा लो, कुछ नहीं मिलेगा। वे यह भूल गए हैं कि पिछली सरकार में शिवसेना भी शामिल थी।

इसी सत्र में पेश होगा, नया महिला सुरक्षा कानून

मुंबई। महाराष्ट्र में महिलाओं के प्रति अपराध की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए विधानसभा के जारी बजट सत्र में ही नया कानून पेश किया जाए, यह निर्देश विधान परिषद के सभापति रामराजे नाइक निंबालकर और विधानसभा के अध्यक्ष नाना पटोले ने सरकार को दिया है।

महिला सुरक्षा के मुद्दे पर मंगलवार को विधानभवन में एक हाई लेवल मीटिंग हुई। जिसमें दोनों सदनों के प्रमुखों के अलावा विधान परिषद की उपसभापती डॉ. निलम गोर्हे, गृहमंत्री अनिल देशमुख, महिला व बालविकास मंत्री यशोमती ठाकुर, शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड, गृह राज्यमंत्री सतेज पाटील, महिला और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों के प्रतिबंध विभाग के विषेश पुलिस महानिरीक्षक प्रताप दिघावकर, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार, राज्य के पुलिस महासंचालक सुबोध जयसवाल, विशेष पुलिस महानिरीक्षक (लॉ ऐंड ऑर्डर) मिलिंद भारंबे, मुंबई के सहपुलिस आयुक्त संतोष रस्तोगी आदि उपस्थित थे।

बैठक में सभी ने महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों पर चिंता जताई। गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि उनके नेतृत्व में एक टीम हाल ही में आंध्रप्रदेश का दौरा करके आई है। वहां बनाए गए दिशा कानून के तर्ज पर महाराष्ट्र में भी महिलाओं तो त्वरित न्याय देने के लिए नए कानून का मसौदा बनाने के लिए तीन सदस्यीय समिति काम कर रही है। मंत्री सतेज पाटील ने कहा कि अगले 10 दिन समिति की रिपोर्ट मिल सकती है।

फेरीवाला नीति जल्द होगी लागू

मुंबई। फेरीवालों का मामला जल्द निपटना संभव है। महापौर किशोरी पेडणेकर ने आश्वासन दिया कि 5 मार्च तक फेरीवालों का मामला निपटा लिया जाएगा। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में महापौर ने कहा कि कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए जल्द से जल्द उचित निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि यह नीति विवादों की वजह से लंबे समय से अटकी हुई है। महापौर ने कहा कि फेरीवालों को जल्द से जल्द लाइसेंस उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि लाइसेंस के लिए करीब 95 हजार फेरीवालों ने फॉर्म भरा था,उसमें से सिर्फ 15 हजार ही पात्र पाए गए हैं।

शीना बोरा हत्याकांड: सीबीआई कोर्ट में इंद्राणी का खुलासा

मर्डर की तारीख के 6 महीने बाद तक जिंदा थी शीना, ब्वॉयफ्रेंड राहुल से बातचीत होती थी

शीना बोरा हत्याकांड में जेल में बंद इंद्राणी मुखर्जी ने पांचवी बार जमानत के लिए याचिका दायर की

इंद्राणी ने कहा- गिरफ्तारी के फौरन बाद उसके बैंक खाते से 6 करोड़ रुपए निकाले गए थे

मुंबई। शीना बोरा हत्याकांड में मुंबई की भायखला जेल में बंद इंद्राणी मुखर्जी ने बेहद हैरान करने वाला खुलासा किया है। इंद्राणी ने मंगलवार को जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान स्पेशल सीबीआई कोर्ट को बताया कि 24 अप्रैल 2012 को कथित रूप से मर्डर के 6 महीने बाद तक शीना जिंदा थी। उन्होंने बताया कि शीना अपने ब्वॉयफ्रेंड राहुल मुखर्जी के साथ थी। इंद्राणी ने केस में पांचवीं बार जमानत याचिका दाखिल की है, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई। इंद्राणी ने राहुल के कॉल डेटा रिकॉर्ड का हवाला दिया। उसने कहा- दोनों (शीना-राहुल) के बीच 26, 27 और 28 सितंबर को टेक्स्ट मैसेज भेजे गए। इंद्राणी ने कोर्ट के सामने दोनों के नंबर पर 27 सितंबर 2012 को भेजे गए मैसेज पढ़े। बताया- राहुल ने लिखा- बाबा आई एम इन द कार पार्क, कम न (बाबा मैं कार पार्किंग में हूं, जल्दी आओ न) इस पर शीना का रिप्लाई आया- 5 मिनट बस। उसके बाद राहुल का मैसेज आया- ए चलो जल्दी। इंद्राणी ने आगे कहा- इससे साफ होता है कि अभियोजन पक्ष का दावा ठीक नहीं है। उसके गवाह भरोसे के लायक नहीं हैं। 2012 और 2015 में दो शव बरामद हुए, पर इनमें से किसी की भी पहचान शीना के रूप में नहीं हुई। साथ ही मौत का समय और वजह साफ नहीं हो सकी है। इंद्राणी ने अदालत में कहा कि उसे जानबूझकर फंसाया जा रहा है और वह बेकसूर है। उसने दावा किया कि अगस्त 2015 में उसकी गिरफ्तारी के तुरंत बाद पीटर मुखर्जी ने उसके अकाउंट से अपने और अपने दोनों बेटों राहुल और रबिन के अकाउंट में 6 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। इंद्राणी ने यह भी दलील दी कि अप्रैल 2012 में शीना के कथित मर्डर के बाद अगस्त 2015 में गिरफ्तारी तक उसने 19 बार भारत और भारत के बाहर यात्रा की। उसने कोर्ट से कहा- अगर मैंने ऐसा क्राइम किया होता तो मैं वापस क्यों आती?

जब पीटर को बेल मिल सकती है तो मुझे क्यों नहीं?: इंद्राणी ने अपनी याचिका मे कहा कि सीबीआई कहती है कि वह केस को प्रभावित कर सकती है लेकिन पीटर को बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी है। पीटर राहुल के पिता हैं और वे मामले को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। पीटर को बॉम्बे हाईकोर्ट ने 6 फरवरी को जमानत दी थी। कोर्ट ने कहा था कि पूरे मामले में प्रथमदृष्टया पीटर के खिलाफ अपराध में शामिल होने के ठोस सबूत नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने सीबीआई के अनुरोध पर अपने आदेश पर 6 हफ्ते की रोक लगा दी थी, ताकि जांच एजेंसी फैसले के खिलाफ अपील दायर कर सके। इसीलिए, फिलहाल पीटर को जेल में ही है।

अलग-अलग जेल में बंद हैं इंद्राणी और पीटर: पीटर, इंद्राणी और उनके पूर्व पति संजीव खन्ना के खिलाफ शीना बोरा की हत्या के मामले में सीबीआई कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। पीटर जहां मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद हैं तो इंद्राणी मुंबई की भायखला जेल में। इंद्राणी और पीटर की शादी नवंबर 2002 में हुई थी। पीटर की पहली शादी से 2 बेटे हैं। इंद्राणी के अपने पहले पति सिद्धार्थ दास से 2 बच्चे शीना और मिखाइल थे। इनमें से शीना बोरा की हत्या 2012 में कर दी गई थी। इंद्राणी की एक अन्य बेटी विधि उनके दूसरे पूर्व पति संजीव खन्ना से है। विधि इंद्राणी और पीटर की गिरफ्तारी से पहले उनके साथ ही लंदन में रहती थी।

चार्जशीट में पीटर का नाम: शीना बोरा मर्डर केस में सीबीआई ने अक्टूबर 2016 में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में दूसरी चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें कहा गया था कि इंद्राणी मुखर्जी इस वारदात की पूरी जानकारी समय-समय पर पीटर मुखर्जी को देती रही थी। शीना अपनी मां इंद्राणी की हरकतों को पसंद नहीं करती थी। इसी के चलते इंद्राणी ने उसकी हत्या करवाई।

(पृष्ठ 1 का शेष)

'चूड़ियां पहन रखीं' पर सियासी उबाल

दरअसल, फडणवीस ने एक रैली में वारिस के बयान को लेकर शिवसेना को घेरा था और कहा था कि शिवसेना ने इस मुद्दे पर चूड़ियां पहन रखी होंगी। इस पर आदित्य ठाकरे ने ट्वीट किया- 'देवेंद्र फडणवीस जी, मैं आमतौर पर वापस कॉमेंट नहीं करता हूं। कृपया चूड़ियों वाले अपने बयान के लिए माफी मांगें। चूड़ियां सबसे शक्तिशाली महिलाएं पहनती हैं। राजनीति जारी रह सकती है लेकिन हमें इस बहस को बदलना होगा। एक पूर्व सीएम की ओर से ऐसा कहा जाना शर्मनाक है।' इस पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए अमृता ने आदित्य को घेरा और ट्वीट किया, कुकून के अंदर रहने वाला कीड़ा कभी जिंदगी की भाषा नहीं समझेगा। उसे हमेशा उसके आराम के लिए पूर्वजों की तैयार की गई रेशम के अंदर रहना होता है। मुझे आपके संघर्षों पर गर्व है देवेंद्र फडणवीस और महाराष्ट्र बीजेपी के हर मेहनती सदस्य पर। बता दें कि उत्तर कर्नाटक के कलबुर्गी में 16 फरवरी को संशोधित नागरिकता कानून विरोधी रैली को संबोधित करते हुए मुंबई से एआईएमआईएम के पूर्व विधायक पठान ने कथित तौर पर कहा था, 'हमें एक साथ मिलकर आगे बढ़ना होगा। हमें आजादी लेनी होगी, जो चीजें मांगकर नहीं मिलती उसे छीनना पड़ता है, याद रखिए...हम 15 करोड़ हो सकते है लेकिन 100 करोड़ पर भारी हैं।' काफी आलोचना के बाद पठान ने अपने बयान के लिए माफी मांग ली थी।

'दिल्ली में हिंसा ने सिख विरोधी दंगों के जख्म हरे कर दिए'

उसने कहा कि हिंसा सीधे तौर पर यह संदेश दे सकती है कि केन्द्र सरकार दिल्ली में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में नाकाम रही। शिवसेना ने कहा, दिल्ली में हिंसा भड़की। लोग डंडे, तलवार, रिवाल्वर लेकर सड़कों पर आ गए, सड़कों पर खून बिखरा था। दिल्ली में स्थिति एक डरावनी फिल्म की तरह थी, जिसने 1984 के सिख विरोधी दंगों के जख्मों को हरा कर दिया। उसने कहा कि बीजेपी आज भी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुई हिंसा में सैकड़ों सिखों की हत्या के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराती है। शिवसेना ने 'कुछ बीजेपी नेताओं की धमकी और चेतावनी की भाषा' का जिक्र करते हुए कहा कि यह स्पष्ट किए जाने की जरूरत है कि दिल्ली के मौजूदा दंगों के लिए कौन जिम्मेदार है। संपादकीय में कहा गया है, ह्यराष्ट्रीय राजधानी उस समय झुलस रही थी जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वार्ता कर रहे थे। सामना ने कहा, यह बिल्कुल ठीक नहीं है कि ट्रंप का दिल्ली में स्वागत हिंसा की डरावनी फिल्म, सड़कों पर खून-खराबा, लोगों की चीख-पुकार और आंसू गैस के गोलों के बीच किया गया। ट्रंप साहेब प्रेम के संदेश के साथ दिल्ली आए थे, लेकिन उनके सामने कैसी तस्वीर पेश की गई। अहमदाबाद में नमस्ते और दिल्ली में हिंसा। दिल्ली की ऐसी बदनामी पहले कभी नहीं हुई। ट्रंप 24 और 25 फरवरी को भारत यात्रा पर आए थे। गौरतलब है कि दिल्ली में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) का समर्थन करने वाले और विरोध करने वाले समूहों के बीच संघर्ष ने साम्प्रदायिक रंग ले लिया। उपद्रवियों ने कई घरों, दुकानों तथा वाहनों में आग लगा दी और एक-दूसरे पर पथराव किया। इन घटनाओं में बुधवार तक कम से कम 22 लोगों की जान चली गई और करीब 200 लोग घायल हो गए। ट्रंप यात्रा के दौरान हिंसा की खबरों को लेकर केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए शिवसेना ने कहा, ह्यगृह मंत्री ने आरोप लगाया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि खराब करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में ट्रंप की यात्रा के दौरान हिंसा की साजिश रची गई। उसने कहा, ह्यगृह मंत्री को सीएए को लेकर हुई हिंसा के पीछे साजिश का ना पता होना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। दंगों को उस साहस से नियंत्रित करने में कोई दिक्कत नहीं थी, जैसा कि धारा 370 और 35ए खत्म किए जाने के समय किया गया।

सुप्रीम कोर्ट की पुलिस को फटकार

वहीं, उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हिंसा और भड़काऊ बयान देने वाले नेताओं पर कार्रवाई के लिए दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाई। पूछा- क्या हिंसा भड़काने वालों पर तुरंत एफआईआर दर्ज करना जरूरी नहीं है? हिंसा रोकने के लिए तुरंत कड़े कदम उठाने की जरूरत है। दिल्ली में एक और 1984 नहीं होना चाहिए। जिन्हें सिक्युरिटी मिली है, वे भरोसा जगाने के लिए लोगों तक पहुंचें। शाहीन बाग से प्रदर्शनकारियों को दूसरी जगह शिफ्ट कर रास्ता खुलवाने के मामले में कोर्ट ने आज कोई अहम आदेश नहीं दिया। कोर्ट ने कहा कि मध्यस्थों की रिपोर्ट देखकर लगता है कि प्रदर्शनकारियों से बातचीत में कोई हल नहीं निकला। ऐसे माहौल में सुनवाई करना ठीक नहीं है। इस मामले में अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त मध्यस्थ वकील साधना रामचंद्रन और संजय हेगड़े ने चार दिन तक शाहीन बाग के प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर सोमवार को सीलबंद लिफाफे में कोर्ट को रिपोर्ट सौंपी थी। जस्टिस केएम जोसेफ ने कहा- पुलिस की निष्क्रियता के बारे में कुछ कहना चाहता हूं।

'द एकर्स लाइफस्टाइल क्लब' के साथ मनाएं होली का रंगीन त्यौहार

मुंबईकर खुशियों के रंग फैलाने के लिए तैयार है। रंगों की जीवंतता जीवन में बहुत अधिक सकारात्मकता लाती है और आप इसे एकर्स क्लब के साथ सुशोभित कर सकते हैं। रेन डांस, डीजे म्यूजिक, हवाईयन सिल्क आर्ट जैसी विभिन्न गतिविधियों के साथ एकर्स क्लब में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लें। तो आप किसका इंतजार कर रहे हैं? चेम्बूर, मुंबई में द एकर्स लाइफस्टाइल क्लब में शामिल हों। 10 मार्च 2020 को शानदार दिन के लिए अपना टिकट बुक करें। पूछताछ के लिए कॉल करें (7278832560/9619960855)।

घर आए मेहमान के सामने माहौल को अच्छा बनाने की बजाय खराब किया

यह बहुत निंदनीय: चीफ इमाम ऑफ इंडिया

चीफ इमाम ऑफ इंडिया डॉ. इमाम उमेर अहमद इल्यासी बोले- हमारे घर पर मेहमान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए थे। हमने माहौल को अच्छा बनाने की बजाय खराब किया। इसका मुझे बहुत दुख है। इमाम ने कहा कि हमारा धर्म, जाति, पंथ, इबादत करने के तरीके अलग हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा धर्म इंसानियत है। पूर्वी दिल्ली के इलाकों में जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उससे देश की छवि खराब हो रही है। लोगों को प्रोटेस्ट करने का अधिकार है, लेकिन इससे किसी दूसरे को परेशानी हो ये अधिकार किसी को नहीं है। इमाम ने कहा कि उन्होंने सोमवार शाम को जाफराबाद, सीलमपुर, कर्दमपुरी, फतेहपुरी, जामा मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों के इमामों से बातचीत कर शांति की अपील करने को कहा है। इमामों ने शाम की नमाज में लोगों से शांति की अपील की है। मंगलवार सुबह की नमाज में भी शांति की अपील करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के लोगों से अपील कर रहे हैं कि मसला संवाद से हल होगा। हिंसा करने से नुकसान होगा। इस मामले पर उनका एक डेलिगेशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह से मिलेगा। जामा मस्जिद के इमाम अहमद बुखारी का कहना है कि सबसे पहले जाफराबाद, सीलमपुर, मौजपुर, गोकुलपुरी, भजनपुरा समेत अन्य इलाकों में हो रही हिंसक घटनाओं को तुरंत रोके। केंद्र सरकार व पुलिस तुरंत एक्शन लेकर घटनाओं को काबू करें। इसके बाद एक कमेटी बनाई जानी चाहिए, जिसमें वकील, पत्रकार, हिंदू-मुस्लिम के जिम्मेदार लोग केंद्र सरकार से मिलकर उसका हल निकालें। बुखारी ने कहा कि पूर्वी दिल्ली में हो रही घटनाओं में किसी एक पक्ष को नहीं बल्कि दोनों पक्षों को नुकसान हो रहा है। हम बराबर लोगों से अपील कर रहे हैं कि मानवता, इंसानियत व सद्भाव के आधार पर शांति बनाए रखें। फतेहपुरी मस्जिद के इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम का कहना है कि जो लोग हिंसा फैला रहे हैं वे लोग हमारी अपील नहीं मानेंगे। अपील तो हमारी कम्युनिटी के लोग ही मान सकते हैं। जब से इलेक्शन शुरू हुआ था तब से वे लोग भड़काऊ बातें कर रहे थे। अब वो हार गए हैं, अपना मुंह बनाकर वो दंगे करवा रहे हैं।

शिव छत्रपति अवॉर्ड विजयी खिलाड़ियों ने लहराया अपना परचम

सीएम उद्धव ठाकरे ने खिलाड़ियों को दिया अपना आशीर्वाद

शिव छत्रपति राज्य क्रीड़ा पुरस्कार वितरण समारंभ 2018 और 20 खेलो इंडिया यूथ गेम गुवाहाटी (असम) यहां महाराष्ट्र के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य चीफ गेस्ट श्रीमान मुख्यमंत्री श्री उद्योग जी ठाकरे साहेब उपमुख्यमंत्री माननीय श्री अजित पवार महाराष्ट्र राज्य तथा नवयुवक के महानायक श्री आदित्य ठाकरे साहेब सम्माननीय श्री सुनील केदार मंत्री पशु वर्धन दुग्ध व्यवसाय विकास क्रीडा व युवक कल्याण महाराष्ट्र राज्य माननीय मैडम जी श्रीमती अदिती सुनील तटकरे राज्यमंत्री उद्योग मंत्री खनिज कर्म पर्यटन खेड़ा व कल्याण मंत्री महाराष्ट्र राज्य सभी ने दीप प्रज्वलन किया और कार्यक्रम की शुरूआत किया गया सभी ने अपने भाषणों में खिलाड़ियों के प्रति मान सम्मान की विशेष तौर पर सम्मान रखा गया। कार्यक्रम में आए गेट ऑफ इंडिया पर 400 लोग बहुत मनोरंजन किया कार्यक्रम बहुत धूमधाम से चला सभी खिलाड़ियों को शिव छत्रपति राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। देर से पहुंचे श्री योगा ग्रैंड मास्टर राधेश्याम जयसवार ने खिलाड़ियों को सम्मान के रूप में उनके सर्टिफिकेट और ट्राफी को लेकर स्टेज पर खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए योग गुरु राधेश्याम ने अपनी हाजिरी रखी सर्व प्रकार की प्रतिक्रियाएं योग गुरु अपने कर्तव्यों का पालन करते समय ध्यान में रखते हैं विशेष तौर पर सभी लोगों को धन्यवाद दिए और श्री मोटे सर का बहुत शुक्रगुजार है। योग गुरु उसी प्रकार से कीड़ा प्रबोधिनी के छात्र भी रह चुके हैं 2002 में योग गुरु खेड़ा प्रबोधिनी में प्रवेश किए थे और खिलाड़ियों को कितना सम्मान मिलता है यह रूप रूप जानते हैं राधेश्याम के प्रति क्रीडा प्रबोधिनी में खिलाड़ियों को अच्छी तरह से भोजन मिलता है अच्छी तरह से ट्रेनिंग मिलती है।

उनके खेल के स्वरूप क्रीडा प्रबोधिनी का मेन लक्ष्य है विश्व में स्वर्ण पदक प्राप्त करना यह गुरु राधेश्याम वहां पर रहकर वहां वहां की खान पर रहन सहन और कोच खिलाड़ी के प्रति कितना आत्मविश्वास रखता है यह योग गुरु राधेश्याम के सिवा कोई नहीं जान सकता राधेश्याम जी यह कहना है क्रीडा प्रबोधिनी जैसा मोस्ट कंपलेक्स कहीं नहीं है खिलाड़ियों की एक नई जिंदगी है हर कोई खिलाड़ी कीड़ा प्रबोधिनी में जाकर अपने खेल का प्रदर्शन कर सकता है और मेन हसीन खिलाड़ियों के लिए क्रीडा प्रबोधिनी जिंदाबाद है और वह हरदम रहेगा स्टेट गवर्नमेंट का यह खेल क्रीड़ा प्रबोधिनी पुणे बालेवाडी की जितनी तारीफ की जाए उतना कम है वहीं से सारे खेल का शुरूआत होता है। वहीं से सबसे बड़ा खिलाड़ी बनते हैं ऐसा योग गुरु राधे श्याम जी का कहना है राधेश्याम भी अपने जीवन में क्रीडा प्रबोधिनी के लिए छात्र पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं अपनी 15 साल की महक कीड़ा प्रबोधिनी के लिए लगाने के लिए इच्छुक है वह चाहते हैं कि हर बच्चा स्पोर्ट्समैन करें और इतना अच्छा कामयाबी लाए कि वह इस पोस्ट में भर्ती हो जाए तभी जाकर उसके खेल की सारी सीमाएं प्राप्त कर सकते हैं और यह संभव है राधेश्याम सबसे प्रभावित हैं श्री उद्धव जी ठाकरे से और नवयुवक यूथ सम्राट आदित्य ठाकरे जी से इतना कम समय में उन्होंने इतना अच्छा काम करके दिखलाया है। महाराष्ट्र गवर्नमेंट को जो काबिले तारीफ है अगर आने वाले कल में महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे साहेब 10 साल रह गए तो महाराष्ट्र की सीमा और नक्शा बदल के रख देंगे खिलाड़ियों और नवयुवक के जीवन में खुशियों का सैलाब भर देंगे ऐसे भाविक मुख्यमंत्री श्री उद्धव जी ठाकरे को सम्मान पूर्वक अभिनंदन करते हैं मंच पर बैठे सभी मंत्रियों को हार्दिक अभिनंदन देते समय उसे आकांक्षा रखते हैं कि आने वाले कल में भारत से ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों का चयन होना चाहिए और खिलाड़ियों को भी सपोर्ट मिलनी चाहिए ऐसे उम्मीद रखते हैं। श्री योगा ग्रैंडमास्टर राधेश्याम जी पुणे बालेवाडी के सभी शिक्षकों को धन्यवाद सभी खिलाड़ियों को धन्यवाद और खास करके श्री मोटे सर को बहुत-बहुत धन्यवाद मुझे मंच पर आने की लिए मौका देने के लिए रंगनाथ सर को और देशमुख सर को बहुत-बहुत धन्यवाद।

भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में एनसीपी प्रमुख शरद पवार से पूछताछ करेगा जांच आयोग

संवाददाता

भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में न्यायिक आयोग के सामने एनसीपी प्रमुख शरद पवार की भी गवाही होगी। पवार की गवाही को लेकर एक अर्जी लगाई गई थी, जिसे आयोग ने स्वीकार कर लिया है। इसको लेकर शरद पवार की ओर से भी अक्टूबर 2018 में हलफनामा दायर किया गया है। अब आयोग इसे लेकर जल्द ही एनसीपी प्रमुख को समन जारी करेगा। न्यायिक पैनल के वकील आशीष सातपुते ने मंगलवार को बताया कि पवार को सुनवाई के अंतिम चरण में बुलाने की संभावना है। दरअसल, पिछले हफ्ते सामाजिक समूह विवेक विचार मंच के सदस्य सागर शिंदे ने आयोग के समक्ष एक आवेदन दायर किया था। इसमें 2018 में जातिगत हिंसा के बारे में शरद पवार के मीडिया को 18 फरवरी को दिए गए बयान के आधार पर उन्हें तलब करने की मांग की थी। आवेदन के अनुसार, पवार ने प्रेस मीट में आरोप लगाया था कि दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं

मिलिंद एकबोटे और संभाजी भिड़े ने पुणे शहर के बाहरी इलाके में स्थित कोरेगांव-भीमा और इसके आसपास के क्षेत्र में हिंसा के लिए माहौल बनाया था। याचिका में कहा गया है कि उसी प्रेस कॉफ्रेंस में पवार ने यह भी आरोप लगाया कि पुणे शहर के पुलिस आयुक्त की भूमिका संदिग्ध है और इसकी जांच होनी चाहिए। ये बयान आयोग के संदर्भ की शर्तों के दायरे में हैं और इसलिए वे प्रासंगिक हैं। आवेदक ने कहा कि उसके पास यह विश्वास करने के कारण हैं कि पवार के पास प्रासंगिक और अतिरिक्त जानकारी है। इसके अलावा उन्होंने हिंसा और अन्य संबंधित मामलों के बारे में पैनल के समक्ष दायर अपने हलफनामे में पहले ही साझा किया है। आयोग की अध्यक्षता बॉम्बे हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जे.एन. पटेल कर रहे हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव सुमित मुलिक न्यायिक पैनल के सदस्य हैं। जब महाराष्ट्र में भाजपा सत्ता में थी, तब आयोग का गठन किया गया था। इसके बाद इस माह की शुरूआत में शिवसेना की अगुवाई वाली राज्य सरकार ने आयोग का कार्यकताल 8 अप्रैल तक बढ़ा दिया है। पवार की पार्टी एनसीपी अब महाराष्ट्र में शिवसेना की अगुवाई वाली सरकार में महात्वपूर्ण घटक दल के रूप में शामिल है।

शरद पवार बोले- दक्षिणपंथी ताकतों की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने शरद पवार ने अपने हलफनामे में कहा है कि मैं उस घटना को तथ्यात्मक रूप से इंगित करने की स्थिति में नहीं रहूंगा क्योंकि यह मौजूदा कानून और व्यवस्था को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य सरकार और कानून कोरेगांव-भीमा और इसके आसपास के क्षेत्र में रहने वाले आम आदमी के हितों की रक्षा करने में विफल रहे। पवार ने कहा कि कोरेगांव भीमा में हिंसा के पीछे दक्षिणपंथी ताकतों की सक्रिय भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। 1 जनवरी, 2018 को, भीमा-कोरेगांव लड़ाई की 200 वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान हिंसा भड़क गई थी। घटना में एक व्यक्ति की जान चली गई थी जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। पुणे पुलिस ने आरोप लगाया है कि 31 दिसंबर, 2017 को आयोजित 'एल्गार परिषद के सम्मेलन' में 'भड़काऊ' भाषणों ने हिंसा भड़काई। पुलिस के अनुसार, एल्गार परिषद के सम्मेलन आयोजकों के माओवादियों के साथ संबंध थे। फिलहाल शरद पवार के बयान इस मामले में काफी अहम साबित हो सकते हैं।

दिल्ली हिंसा के खिलाफ प्रियंका गांधी के नेतृत्व में सड़क पर उतरी कांग्रेस

दिल्ली हिंसा के विरोध में कांग्रेस ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय से मार्च निकाला। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के नेतृत्व में निकाले गए मार्च को गांधी स्मृति तक जाना था, लेकिन इससे पहले ही जनपथ मार्ग पर उन्हें दिया गया। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के कुछ इलाकों में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर जमकर हिंसा भड़की, जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई। कांग्रेस ने हिंसा पर चिंता जताई और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा भी मांगा। प्रियंका गांधी के अलावा मार्च में शामिल होने वाले अन्य नेताओं में मुकुल वासनिक, केसी वेणुगोपाल, पीएल पुनिया, रणदीप सुरजेवाला, अजय सिंह लल्लू (यूपी कांग्रेस प्रमुख), मणिशंकर अय्यर, सुष्मिता देव, कृष्णा तीरथ और सुभाष चोपड़ा रहे। पार्टी मुख्यालय से शुरू हुए मार्च को तीस जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति तक जाना था, लेकिन पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को गांधी स्मृति पहुंचने से पहले ही रोक दिया। इसके बाद पार्टी नेता सड़क पर ही बैठ गए। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और दिल्ली की स्थिति पर चिंता जताई। सोनिया गांधी ने कहा कि दिल्ली की मौजूदा हालात चिंताजनक है।

दिल्ली हिंसा की जवाबदारी कौन लेगा?

इसमें कोई शक नहीं कि यह समय चुनौतीपूर्ण है-आर्थिक दृष्टि से भी और आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से भी। जिस दिन ट्रंप भारत आए उसी दिन दिल्ली में जिस प्रकार का हिंसक उपद्रव प्रारंभ किया गया वह इस बात को बताता है कि पाकिस्तानी तत्व अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा को शाहीन बाग के उस आयाम के साथ टैग करके मीडिया में प्रस्तुत करना चाहते थे कि मोदी के भारत में सब कुछ ठीक नहीं है। यह घटना हमारे इंटेलीजेंस तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी एक धक्का और चुनौती बनकर आई है जिसमें स्पष्ट हुआ है कि भारत विद्रोही तत्व यह चाहते थे कि मीडिया में जिस दिन ट्रंप की भारत यात्रा का पहला समाचार छपे उसी दिन भारत की राजधानी दिल्ली में हिंसक उपद्रवों, हेड कांस्टेबल की मौत, पेट्रोल पंप में आग का भी समाचार छपे ताकि लगे भारत भीतर ही भीतर युद्धरत है। निश्चित रूप से मोदी और अमित शाह इसे हल्के ढंग से नहीं लेंगे पर यह परिदृश्य ट्रंप की भारत यात्रा के देशभक्तों और हमारी विकास यात्रा पर सकारात्मक प्रभाव को और ज्यादा आग्रहपूर्वक सिद्ध कर देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा पूर्व नियोजित थी। बहुत समय से इसकी तैयारी चल रही थी। उनके आने के साथ ही दिल्ली में हिंसा भड़कने और उससे होने वाली मौतों का जिम्मेदार कौन हो सकता है। दिल्ली पुलिस है, जिसकी हर गली में इंटेलीजेंस होती है। इस इलाके में पहले भी पत्थरबाजी की घटनाएं हुई हैं। गृह राज्य मंत्री खुद आशंका जाता रहे हैं कि हिंसा की साज़िश थी। इंटेलिजेंस सिस्टम हाइपर एक्टिव थो दिल्ली पुलिस की लोकल इंटेलीजेंस यूनिट, उसके मुखबिर, बड़े अफसरों को मिलने वाली अंधाधुंध सोर्स मनी से फैलाया गया नेटवर्क, आईबी का समानांतर नेटवर्के इतना ही नहीं दिल्ली में उत्तर प्रदेश की तरह बीट सिस्टम तहस नहस नहीं हुआ है। हर पुलिसवाले की जिम्मेदारी होती है कि वो अपनी बीट की जानकारी रखे वह जानता है कि किस घर में कौन लोग रहते हैं? कौन नया आया है? कहां से आया है? कौन कहां कैसा धंधा करता है? जाहिर बात है रॉ भी लगातार जानकारियां इकट्ठी कर रही होगी। यह सभी एजेंसियां लगातार दिल्ली पुलिस को इनपुट भेजती हैं। इस पूरे नेटवर्क के बावजूद इतनी बड़ी हिंसा फैल गई। कौन मानेगा कि सूचना ठीक से नहीं मिली होगी।

अशोक भाटिया

यह साफ है कि दिल्ली पुलिस ने इन सूचनाओं का सही इस्तेमाल नहीं किया। अब सही इस्तेमाल ना होने की दो वजहें हो सकती हैं पहली यह कि दिल्ली पुलिस बेहद नकारा है, उसकी प्रशासनिक क्षमताएं शून्य के करीब हैं। दूसरी वजह हो सकती है राजनीतिक दवाबे दिल्ली पुलिस की काबिलियत का डंका पूरी दुनिया में बजता है। उसकी तुलना स्कॉटलैंड यार्ड से की जाती है। उत्तर पूर्वी दिल्ली की हिंसक घटनाएं बताती हैं कि जिला पुलिस ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर ठीक से लागू ही नहीं कि। हालात बिगड़ सकते हैं इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं था। दो महीने पहले ही यहां नागरिकता कानून पर हिंसा हो चुकी है। ऐसी जटिल परिस्थितियों में कपिल मिश्रा की आग में घी झोंकने के लिए छोड़ दिया गयो उसकी गिरफ्तारी एहतियात के तौर पर की जा सकती थी। नजरबंदी भी कर सकते थे शांति की खातिर यह बहुत जरूरी थो इन इलाकों और शाहीन बाग में अंतर है। इलाकों के मुआज्जिज लोगों को बुलाकर पुलिस मीटिंग कर सकती थी। स्थानीय नेताओं की मदद ले सकती थी। उपद्रव फैलाने की आशंका में कुछ लोगों को रातों रात उठा सकती थी लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुओ निचोड़ ये है कि प्रशासन इस हिंसा की ज़िम्मेदारी से बच नहीं सकतो दिल्ली पुलिस के कमिश्नर को एक महीने पहले रिटायर होना था, वे एक्सटेंशन पर चल रहे हैं वो ज़िम्मेदारी से नहीं बच सकते एलजी अनिल बैजल पुलिस के बॉस हैं और दिल्ली पुलिस के राजनीतिक मुखिया अमित शाह है। इन तीनों की ज़िम्मेदारी थी कि हालात को काबू में रखते। विफलता सीधे उनके जिम्मे आती है।

पांच दिन में 5.51 लाख करोड़ डूबे, शेयर बाजार को अचानक क्या हुआ?

बीते 1 फरवरी को आम बजट पेश होने के बाद उस दिन भारतीय शेयर बाजार में 10 साल की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई थी। हालांकि, इसके बाद शेयर बाजार में रिकवरी भी आई लेकिन बीते कुछ दिनों से एक बार फिर गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है। इस वजह से निवेशकों को 5.51 लाख करोड़ का नुकसान हो गया है। दरअसल, 19 फरवरी को बीएसई इंडेक्स पर मार्केट कैप 1,58,71,065.31 करोड़ रुपये था। इसके एक हफ्ते बाद 26 फरवरी को बीएसई इंडेक्स का मार्केट कैप लुढ़क कर 1,53,19,487.08 करोड़ रुपये पर आ गया। इस तरह निवेशकों को सिर्फ 5 कारोबारी दिन में 5.51 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। यहां बता दें कि 21, 22 और 23 फरवरी को शेयर बाजार बंद रहे। वहीं 21 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व था तो वहीं 22 और 23 फरवरी को साप्ताहिक अवकाश की वजह से बाजार बंद थे। दरअसल, बाजार में गिरावट की सबसे बड़ी वजह कोरोना वायरस को बताया जा रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिल्ली में हालात बेकाबू, सेना बुलाई जाए: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। सीएए को लेकर दिल्ली में लगातार चार दिनों से चल रही हिंसा पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि हालात बेकाबू हो चुके हैं और अब इसे सेना ही संभाल सकती है। उन्होंने केंद्र सरकार से कहा है कि हिंसा को काबू में लाने के लिए दिल्ली को सेना के हवाले किया जाए। हिंसा में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हैं। हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उपद्रवियों ने दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल की भी हत्या कर दी है।

इससे पहले, मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने दिल्ली के हिंसाग्रस्त इलाकों का दौरा किया और प्रशासन को कई सारे निर्देश दिए। दिल्ली के कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए गए हैं। हालात इतने खराब हैं कि लोगों को अपने घर से निकलने में डर लग रहा है। इन इलाकों में रहने वाले लोगों ने टाइम्स ऑफ इंडिया को पूरे हालात से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वे दहशत के किस दौर से गुजर रहे हैं।

दिल्ली में हिंसा पर सरकार का रवैया बेहद सख्त है। एनएसए अजीत डोभाल तथा गृह मंत्री अमित शाह की पल-पल पर नजर है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक चल रही है, जिसमें उम्मीद जताई जा रही है कि दिल्ली में हिंसा का मुद्दा भी छाया रहेगा। बुधवार को भी डोभाल हिंसाग्रस्त विभिन्न इलाकों का दौरा कर सकते हैं।

असदुद्दीन ओवैसी बोले- दिल्ली को बचाना है तो सेना की कर दो तैनाती

नई दिल्ली/हैदराबाद। दिल्ली में उपद्रव का धुआं छंटने का नाम नहीं ले रहा है। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध के नाम पर हो रही हिंसा के आगे पुलिस बेहद असहाय नजर आ रही है। ऐसे में लोगों की जुबान पर आर्मी का विकल्प आने लगा है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने भी नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के हालातों को देखते हुए इसे सेना के सुपुर्द कर देने की सलाह दी है।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'नॉर्थ ईस्ट दिल्ली की हालत बदतर होती जा रही है। यदि प्रधानमंत्री कार्यालय फिर से शांति चाहता है तो इस क्षेत्र को सेना के सुपुर्द कर देना चाहिए। पुलिसवालों ने अपनी ड्यूटी में लापरवाही दिखाई और उन्मादी भीड़ के साथ नजर आई।

जिंदगियों को सुरक्षित करने का एक मात्र उपाय अब क्षेत्र को सेना के हवाले कर देना ही है।'

डॉ. देव ब्रत मिश्र इन्नोवेटिव एनवीरोमेंटिलिस्ट अवार्ड से सम्मानित

प्रयागराज। छठा अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी पर्यावरण एवं परिस्थितिकी 2020 विषय पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रयागराज के वनस्पति एवम पर्यावरण विज्ञान में इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी कोलकाता, भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली एवम एशियन बायोलॉजिकल रिसर्च फाउंडेशन प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

संगोष्ठी के प्रथम दिवस में देश एवम विदेश आये हुए वैज्ञानिकों का व्याख्यान हुआ, इसी क्रम में तिलक धारी महाविद्यालय जौनपुर के प्राणि विज्ञान के सहायक प्रोफेसर डॉ देव ब्रत मिश्रा ने भारत मे सूक्ष्म जीवों से खाद्य को सुरक्षा एवम संरक्षण विषय पर व्याख्यान दिये, अपने उदबोधन में डॉ मिश्रा ने हमे ऐसे उपाय करने है कि जिससे देश के प्रत्येक नागरिक को पोषित भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके,इसी क्रम में भारत देश प्रधानमंत्री के

वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर चन्दर मोहन ,प्रोफेसर एच पी शर्मा कुलपति एवम प्रोफेसर त्रिदिब बंदोपाध्याय द्वारा डॉ मिश्रा को इन्नोवेटिव एनवीरोमेंटिलिस्ट अवार्ड 2019 के द्वारा सम्मानित किया गया इसके पूर्व भी डॉ मिश्र ने कई राष्ट्रीय एवम अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में पर्यावरण एवम फ्री रेडिकल्स जैसे विषयों पर व्याख्यान दे चुके है

अब सिर्फ लश्कारा नहीं, मिर्ची की गोलियां भी मारेगा 'स्मार्ट झुमका'

वाराणसी। महिलाओं की सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए वाराणसी के एक नौजवान की नई खोज सामने आई है। श्याम चौरसिया नाम के इस युवक ने एक ऐसा झुमका तैयार किया है, जिससे 'मिर्ची गोली' निकलेगी। मनचलों को घटना को अंजाम देने के दौरान ही उन्हें निशाना बनाकर उन्हें भागने पर मजबूर कर देगी। वाराणसी के पहड़िया स्थित अशोका इंस्टिट्यूट में रिसर्च ऐंड डिवेलपमेंट डिपार्टमेंट के प्रभारी श्याम चौरसिया ने इसे बनाया है। कान में पहने जाने वाले झुमके अब महिलाओं की सुरक्षा करेंगे। इससे महिला न सिर्फ अपनी आत्मरक्षा कर सकेगी, बल्कि मनचलों को छेड़छाड़ से रोकने में भी कामयाब होगी। इस झुमके से मिर्ची की गोलियों की बरसात होगी। इसे बनाने वाले वाराणसी के श्याम चौरसिया ने बताया कि इस स्मार्ट ईयरिंग गन में तेज आवाज के साथ छेड़खानी करने वाले मनचलों पर लाल और हरी मिर्च की बुलेट दागने की क्षमता है।

नीतीश की एक 'चाल' से तेजस्वी यादव हुए पस्त और फंस गई बीजेपी

पटना। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के मुद्दे पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक झटके में विपक्ष के विरोध की हवा निकाल दी। एनआरसी और एनपीआर पर विधानसभा में प्रस्ताव पारित करते हुए नीतीश ने जहां एक ओर अपनी सहयोगी बीजेपी को हैरान कर दिया, वहीं दूसरी ओर आक्रामक रुख अख्तियार किए हुए तेजस्वी यादव को भी इस ट्रंप कार्ड से पस्त कर दिया। आइए इसको तफ्सील से समझते हैं:

बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। जाहिर है इस चुनाव में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), एनआरसी और एनपीआर जैसे मुद्दे उठाकर विपक्ष नीतीश को निशाना बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगा। शायद यही वजह है कि नीतीश कुमार ने विधानसभा में प्रस्ताव पारित करते हुए साफ किया है कि एनआरसी राज्य में लागू नहीं

किया जाएगा। यही नहीं एनपीआर को भी 2010 के प्रारूप में संशोधन के साथ लागू किया जाएगा। इस कदम के साथ ही नीतीश ने आरजेडी नेता और पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव को इस मुद्दे पर चारों खाने चित कर दिया है।

आखिर नीतीश कुमार की इस चाल से तेजस्वी क्यों लाजवाब हो गए, इसको समझने के लिए विधानसभा में तेजस्वी और नीतीश की गरमागरम बहस पर नजर डालते हैं। सीएए, एनआरसी और एनपीआर पर सदन में चर्चा के दौरान नीतीश जब भाषण दे रहे थे, तभी तेजस्वी ने कहा, 'आप जो बोल रहे हैं उसे लिखित में बंटवा दीजिए और समय बर्बाद मत करिए।'

ऐसे में नीतीश की अगुआई में जेडीयू ने प्रस्ताव पारित करवाकर तेजस्वी को निरुत्तर कर दिया। नीतीश हालांकि शुरू से ही एनआरसी का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में उनके इस कदम को अप्रत्याशित नहीं माना जा रहा है। बिहार एनडीए शासन वाला ऐसा पहला राज्य है, जहां एनआरसी के खिलाफ प्रस्ताव पारित हुआ है।

सीएए विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देने का कोई प्रावधान नहीं: सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में बताया है कि राज्य सरकार का ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिससे पिछले 6 महीने में दंगे में मरने वाले लोगों के परिवारों को मुआवजा दिया जा सके। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'मुआवजा देने का सवाल ही नहीं है।' सीएम योगी ने सदन को जानकारी दी कि पिछले 6 महीने में दंगों और विरोध प्रदर्शनों में 21 लोगों की मौत हो गई।

सीएम योगी ने बताया, 'प्रदर्शनकारियों की पत्थरबाजी में 400 पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि 61 पुलिसवालों को गोलियां लगी हैं।' सरकार ने दावा किया है कि 19-20 दिसंबर को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों के दौरान भड़के दंगों में मारे गए 21 लोगों में से किसी की भी मौत पुलिस की गोलियों से नहीं हुई है। पिछले हफ्ते सीएम योगी ने बताया था कि 'दंगाइयों की मौत दंगाइयों के हाथों' ही हुई।

सीएम योगी मंगलवार को समाजवादी पार्टी विधायक राकेश प्रताप सिंह के सवाल का जवाब दे हे थे। सिंह ने पिछले 6 महीने में दंगे से जुड़ी घटनाओं में मारे गए लोगों की संख्या को लेकर सवाल किया था। उन्होंने यह भी पूछा था कि क्या सरकार पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने के लिए कोई प्रावधान बनाएगी। गौरतलब है कि विपक्ष पहले ही सीएए-एनआरसी के खिलाफ हो रहे दंगों से निपटने में सरकार की विफलता पर लगातार सवाल खड़े कर रही है। हालांकि जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवारवालों का कहना है कि उनकी मौत हिंसा में फंसने के चलते हुई थी और वे दोषी नहीं हैं। वाराणसी में एक 8 वर्षीय बालक की भगदड़ में मौत हो गई, जब पुलिस प्रदर्शनकारियों को दौड़ा रही थी।

यूपी के चर्चित मुन्ना बजरंगी हत्याकांड की होगी सीबीआई जांच

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर मुन्ना बजरंगी हत्याकांड की सीबीआई जांच कराई जाएगी। साल 2018 में पश्चिम यूपी की बागपत जेल में हुए इस हत्याकांड के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने का आदेश जारी किया है। यह आदेश मुन्ना बजरंगी की पत्नी सीमा सिंह की याचिका पर जस्टिस सुधीर अग्रवाल और जस्टिस राजीव मिश्रा की डिविजन बेंच ने जारी किया है।

बागपत के जिला कारागार में बंद मुन्ना बजरंगी की साल 2018 में हत्या कर दी गई थी। इस कांड में हत्या का आरोप गैंगस्टर सुनील राठी पर लगा था। इस घटना के बाद यूपी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा था। वहीं जेल में हुई हत्या के इस मामले को गंभीर बताते हुए तत्कालीन गृह सचिव ने बागपत जेल के जेलर उदय प्रताप सिंह को बर्खास्त कर दिया था।

रांची के खूबसूरत वॉटरफॉल्स: घूम आएंगे तो इनके प्यार में डूब जाएंगे!

फैमिली या फ्रेंड्स के साथ घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं? क्या इस बात को लेकर क्लियर नहीं हो पा रहे हैं कि कहां घूमने जाएं? अगर पहाड़ घूम चुके हैं, समंदर को भी अपनी ट्रैवल लिस्ट में जोड़ चुके हैं तो अब आप वॉटरफॉल्स का रुख कर सकते हैं। यहां हम आपको रांची, झारखंड के कुछ ऐसे ही खूबसूरत वॉटरफॉल्स के बारे में बता रहे हैं...

दशम वॉटरफॉल्स

यह वॉटरफॉल तैमारा नाम के एक छोटे से गांव में स्थित है। दशम फॉल्स कांची नदी से 144 फीट की ऊंचाई पर बहता है जिससे नजारा बेहद शानदार होता है। यहां जाने का बेस्ट टाइम जनवरी से अप्रैल के बीच माना जाता है। यहां आप कई अडवेंचरस ऐक्टिविटीज भी कर सकते हैं। हालांकि, इस दौरान काफी सतर्क रहने की जरूरत होती है। रांची से वॉटरफॉल की दूरी करीब 45 किमी है।

जोन्हा वॉटरफॉल्स

गौतम धारा के नाम से भी मशहूर इस वॉटरफॉल का नाम पास में स्थित गांव जोन्हा के नाम पर पड़ा है। कहा जाता है कि यहां भगवान बुद्ध ने स्नान किया था। यहां एक आश्रम और भगवान बुद्ध का मंदिर भी है। रांची से इसकी दूरी करीब 42 किलोमीटर है। इसकी खूबसूरती आपके दिल और दिमाग में हमेशा के लिए बस जाएगी।

पंच घाघ वॉटरफॉल्स

पंच घाघ 5 वॉटरफॉल्स का कॉम्बिनेशन है, इसीलिए इसका नाम पंच घाघ पड़ा है। बनई नदी के टूटने से यह वॉटरफॉल बना। रांची से पंचघाघ की दूरी करीब 50 किमी है। फैमिली और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करने के लिए यह जगह बेस्ट है।

हुंडरू वॉटरफॉल्स

यह भारत का 34वां सबसे ऊंचा वॉटरफॉल है। स्वर्णरिखा नदी यहां 98 मीटर (करीब 322 फीट) की ऊंचाई से गिरती है। यह वॉटरफॉल रांची से लगभग 49 किलोमीटर दूर है।

हिरनी वॉटरफॉल्स

आसपास का इलाका जंगल से घिरा हुआ है। कहा जाता है कि इस वॉटरफॉल का नाम हिरनी इसलिए पड़ा क्योंकि यहां जंगलों में कई हिरन रहते हैं। वॉटरफॉल के एक साइड वॉक वे है और दूसरा साइड हिल के टॉप पर ले जाता है। इसकी दूरी रांची से 70 किमी है।

अडवेंचर के शौकीन लोगों के लिए करगिल है बेस्ट प्लेस

करगिल का नाम आते ही हमें भारत और पाकिस्तान के बीच 1999 में हुए युद्ध की याद आ जाती है। करगिल केवल भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के लिए ही नहीं जाना जाता बल्कि यह एक फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन भी हैं। यदि आप रोमांच यात्रा के शौकीन हैं तो करगिल घूमने जा सकते हैं। करगिल श्रीनगर से करीब 205 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। आपको बता दें कि लेह और श्रीनगर के बीच में बसे होने के चलते करगिल घूमने आने वाले पर्यटक लेह के पहाड़ व चट्टान वाले लैंडस्केप और श्रीनगर की हरियाली भरे सौंदर्य को भी एक साथ देख सकते हैं।

अडवेंचर ट्रिप के लिए फेमस

अपनी भौगोलिक स्थिति के चलते करगिल अडवेंचर ट्रिप के लिए फेमस है। करगिल जाने पर आप माउंटेनियरिंग, ट्रैकिंग और रिवर रॉफ्टिंग जैसे अडवेंचर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हैं। सुरू और द्रास वैली के आसपास दिनभर की लंबी ट्रैकिंग के लिए बहुत से ऑप्शन हैं। इसके अलावा यहां मई में होने वाली तीरंदाजी प्रतियोगिता के समय आप यहां आकर उसको देख सकते हैं।

इस बात का रखें ध्यान

करगिल की ट्रिप पर निकलने से पहले वहां के मौसम की स्थिति जान लेना बहुत आवश्यक है। सर्दियों के दौरान, भारी बर्फबारी के कारण करगिल जाने वाला मार्ग बंद रहता है। इस दौरान यहां का तापमान काफी नीचे चला जाता है। गर्मियों में करगिल जाने का प्लान सबसे सही रहता है। मई और जून के बीच में करगिल घूमने का आदर्श समय माना जाता है।

ऐसे पहुंच कारगिल

सड़क मार्ग से करगिल तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। करगिल का नजदीकी श्रीनगर एयरपोर्ट भारत के कई शहरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। करगिल का निकटतम रेलवे स्टेशन जम्मू तवी रेलवे स्टेशन है जो लगभग 500 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जम्मू तवी रेलवे स्टेशन देश के कई शहरों से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा सड़क मार्ग से भी कारगिल जा सकते हैं। इसके लिए आपको टैक्सी या जीप किराए पर लेनी पड़ेगी। वहीं, लेह व श्रीनगर से करगिल जाने के लिए बस सेवा भी उपलब्ध हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
पारिवारिक सदस्य के कारण तनाव मिल सकता है। शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढेगी।

सिंह
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, समान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी।

धनु
रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। संबंधों में मधुरता आएगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी मूल्यवान वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

वृष
शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में किया जा रहा काम सार्थक होगा। दांपत्य जीवन में तनाव आएगा। भागदौड़ रहेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या
शिक्षा की दिशा में सफलता मिलेगी लेकिन पारिवारिक या व्यावसायिक तनाव मिल सकता है। व्यर्थ की उलझनें भी मिलेंगी।

मकर
शासन सत्ता से सहयोग मिलेगा। कुछ पारिवारिक या स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी रहेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन
पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संबंधों में मधुरता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

तुला
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उच्च अधिकारी या घर के मुखिया से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ
यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। विरोधी सक्रिय हो सकता है। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।बीमारियां घेर सकती हैं।

वृश्चिक
जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।

मीन
जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा लेकिन भावुकता पर नियंत्रण रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

सैलानी नहीं देख पाएंगे यह आइलैंड

इंडोनेशिया ने अब यह आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि वह सैलानियों के लिए अपना प्रसिद्ध कमोडो आइलैंड जनवरी 2020 से बंद करने जा रहा है। इंडोनेशिया की सरकार ने यह फैसला कमोडो द्वीप पर पाई जानेवाली दुनिया की सबसे बड़ी छिपकलियों की प्रजाति को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से किया है। छिपकलियों की इस विशालकाय प्रजाति को विलुप्ति की कगार से बाहर निकालने के लिए इंडोनेशिया सरकार इस द्वीप पर बसे गांव के लोगों को भी यहां से हटाकर दूसरी जगह बसाने की तैयारी कर रही है।

कमोडो द्वीप पर जहरीले ड्रैगन होने के बाद भी यहां एक गांव बसा है, जिसके लोग बिना किसी डर के यहां रहते हैं। इनका मानना है कि कमोडो ड्रैगन्स के साथ इनका आध्यात्मिक रिश्ता है। उनकी मान्यता है कि एक ड्रैगन राजकुमारी थी, जिसने एक ड्रैगन और एक बच्चे को जन्म दिया। इस कारण ड्रैगन से इनका रिश्ता है। जानकारों के मुताबिक, इस समय कमोडो द्वीप पर करीब 1700 विशालकाय छिपकलियां हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शिकार और बहुत अधिक पर्यटन के कारण इनकी संख्या में कमी आई है। इनकी जीवन शैली में बढ़ते मानव दखल के कारण इनकी प्रजाति धीरे-धीरे विलुप्त होने की तरफ बढ़ रही है। कमोडो द्वीप और इससे लगा हुआ नैशनल पार्क घूमने पिछले कुछ साल में बड़ी संख्या में टूरिस्ट पहुंचे हैं। आंकड़ों के अनुसार, साल 2018 में कमोडो की सैर के लिए 1 लाख 76 हजार सैलानी पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक, फिलहाल कमोडो द्वीप पर सैलानियों की आवाजाही 12 महीने के लिए बंद की जाएगी। इसके बाद इसे सैलानियों के लिए खोले जाने की संभावना है।

ताकतवर शरीर चाहिए तो डाइट में शामिल करें ये चीजें

ताकतवर और मजबूत मसल्स पाने के लिए लड़के न जाने क्या-क्या करते हैं। जैसे- जिम में जाकर घंटो वर्कआउट, मैडीसिन और मल्टीविटामिन का सेवन भी करते हैं। लेकिन इतना सब कुछ काफी नहीं है। आपको इन सबके साथ अपनी डाइट में कुछ आहारों को भी शामिल करना होगा जिससे कि आपके शरीर को अंदर से भरपूर शक्ति मिले।

1. ड्राई फ्रूट
पुरुषों को ड्राई फ्रूट्स का नियमित सेवन करना चाहिए। इसे खाने से मसल्स मजबूत होते हैं।

2. डायरी फूड
दूध,दही,लस्सी,पनीर और मक्खन में प्रोटीन,कैल्शियम,विटामिन ए जैसे पोषक तत्व मौजूद होते है। जो मांसपेशियों को मजबूत करने में सहायक है।

3. मूंगफली
मूंगफली में वसीय अम्ल और जिंक पाए जाते हैं जो पुरुषों में कमजोरी को दूर करने में मददगार साबित होते हैं।

4. सोया
सोया में प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। सोया मिल्क और पनीर को अपने खाने में जरूर शामिल करें।

5. कद्दू
कद्दू में विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जो बॉडी को ताकतवर बनाने में मददगार होते हैं।

6. अंडे
मसल्स को मजबूत बनाने के लिए अंडा भी एक उपयोगी औषधि की तरह काम करता है। इसमें अमीनो एसिड पाया जाता है। अंडे के पीले भाग में प्रोटीन और ल्यूटेन जैस तत्व होते हैं, जो शरीर को ताकतवर बनाते हैं।

क्या आप भी रोजाना इस्तेमाल कर रहे हैं ये कैमिकल्स?

सेहतमंद रहने के लिए अच्छे खान-पान के साथ घर का साफ होना भी होना बहुत जरूरी है। इसी बात को लेकर घर की साफ सफाई के लिए कई तरह के कैमिकल युक्त प्रॉडक्ट का इस्तेमाल किया जाता है। फ्लोर क्लीनर,डिटर्जेंट,लिक्विड सोप,परफ्यूम इसके अलावा और भी बहुत सी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह जाने-अनजाने यह प्रॉडक्ट ही सेहत संबंधी कई परेशानियों का कारण बन सकते हैं। आइए जानें कुछ जरूरी चीजों के बारे में जो दे रही हैं आपकी सेहत को नुकसान

1. डिटर्जेंट
हम कपड़ों को धोने के लिए डिटर्जेंट का इस्तेमाल करते हैं। इसमें पाएं जाने वाले कैमिकल स्किन इंफैक्शन और कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है।

2. नॉन स्टिक बर्तन
हर घर में आजकल नॉन स्टिक बर्तनों का इस्तेमाल किया जाता है। यह खाना पकाने में और धोने में बेहद आसान होते हैं। इनको बनाने के लिए स्त्रङ्ग्ह्ल८३ी३१ांह्ल४ङ्ग१ङ्गी३ॅ८ह्लील्ली का इस्तेमाल किया जाता है। जब बर्तन में हाई फ्लेम पर खाना पकाया जाता है तब इसका असर खाने में चला जाता है। इस खाने से प्रजनन क्षमता और सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

3. डियो स्प्रे और परफ्यूम
पसीने की दुर्गंध को दूर करने के लिए लोग परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक इसमें पाए जाने वाले तत्व सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं ।इस ंल्ल३स्री१२र्स्र१ंल्ल३२ से ब्रैस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

4. फैब्रिक कंडीशनर
कपड़ों की स्फटनेस को बरकरार रखने के लिए फैब्रिक कंडीशनर का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें जहरीले रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है जो कपड़ों के कणों में लगे रहते हैं। इससे स्किन इंफैक्शन,सांस लेने में परेशानी,सिर दर्द जैसी और भी सेहत संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए सिरका का इस्तेमाल करना बेहतर है।

होम मेड ग्रीन टी की मदद से गायब करें पेट और कमर की चर्बी!

पेट और कमर की चर्बी या बढ़ते हुए वजन से आजकल हर कोई ही परेशान दिखाई देता है। खासतौर पर औरतें इस परेशानी से जूझती है क्योंकि बच्चे के जन्म के बाद औरतों का काफी वजन बढ़ जाता है और वे इसे कम करने लिए मार्किट से कई तरह की दवाईयों तक का सेवन करती हैं। जिनसे न तो कोई फर्क पड़ता है और शरीर पर इनका साइड इफैक्ट भी काफी हो जाता है। यदि आप भी अपने वजन को लेकर परेशान हैं तो आप इन होम मेड ग्रीन टी का इस्तेमाल करके अपनी पेट और कमर की चर्बी को कम कर सकते है।

1. पुदीने के पत्तों को गर्म पानी में 10 मिनट तक उबालें और फिर गुनगुना रहने पर घूंट-घूंट करके पीएं। पुदीने में मैंथाल होता है जो फैट सैल्ज को कम करने में काफी मदद करता है।
2. दालचीनी में पॉलीफेनाल्ज पाए जाते है जो कैलोरी बर्न करने में काफी मददगार साबित होते है। इसकी चाय बनाने के लिए गर्म पानी में दालचीनी का पाउडर,चाय की पत्ती और दूध डालकर 5 मिनट तक उबालें और फिर छानकर पीएं।
3. एक चम्मच जीरे को गर्म पानी में डालकर आधे घंटे के लिए ढककर रखें और फिर इसमें शहद या नींबू का रस मिलाकर गुनगुना पीएं।
4. काली मिर्च और अदरक को गर्म पानी में 5 मिनट तक उबालकर और छानकर थोड़ा गुनगुना रहने पर शहद मिलाकर पीएं।

काजू के 6 ऐसे फायदे जो आपको कर देंगे हैरान

काजू, जिसे अंग्रजी में उंर्ँ६ भी कहा जाता है। लोग इसका इस्तेमाल मिठाईयां बनाने में करते हैं या फिर इसे सूखे मेवे के रूप में खाना पंसद करते हैं। स्वाद के साथ-साथ काजू पौष्टिक आहारों से भी भरपूर है। काजू में मैगनीशियम, पोटैशियम, कॉपर, आयरन, मैगनीज, जिंक और सीलियम भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं जो शरीर की कई आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। जी हां, बिल्कुल आज हम आपको बताएंगे कि काजू खाने से शरीर को क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

1. एनर्जी
काजू एनर्जी का एक बहुत अच्छा स्त्रोत है। रोजाना अगर आप 3-4 काजू का सेवन करेंगे तो ऐसे आपका शरीर पूरा दिन उर्जा से भरपूर रहेगा।

2. कोलेस्ट्रॉल
कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में काजू काफी सहायक है। इसमें प्रोटीन की मात्रा ज्यादा पाई जाती है जो कोलेस्ट्रॉल को सामान्य बनाएं रखने में मदद करता है।

3. याद्दाशत
काजू में विटामिन बी पाया जाता है जो याद्दाशत बढ़ाने में बड़ा ही कारगार साबित होता है।

4. हड्डिया मजबूत
काजू में मैगनीशियम की मात्रा अधिक होती है जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

5. पाचन शक्ति मजबूत
पाचन शक्ति को मजबूत बनाने में भी काजू काफी सहायक है। काजू में एंटी ऑक्सीडेंट पाया जाता है जो पाचन क्रिया को मजबूत बनाने के साथ ही वजन को भी संतुलित रखता है।

6. त्वचा में निखार
काजू खाने से त्वचा ग्लो करने लगती है और रंगत भी निखर जाती है।

नहीं दिखी आक्रामकता, क्या टीम इंडिया को कमजोर कर रही विराट कोहली और विलियमसन की 'दोस्ती'

नई दिल्ली। पिछले दिनों विराट कोहली और केन विलियमसन की एक फोटो खूब वायरल हुई, जिसमें ये दोनों कप्तान टी20 सीरीज के मैच के दौरान बाउंड्री के बाहर बैठकर आपस में बातचीत कर रहे थे। इस फोटो और दोनों कप्तानों के रवैये को लोगों ने बहुत पसंद किया। इसके बाद दोनों कप्तानों के रिश्तों को लेकर पूछे गए सवालों पर भारतीय कप्तान विराट कोहली विपक्षी कप्तान केन की तारीफ करते नहीं थके। उन्होंने बताया कि वह मैदान से बाहर केन से क्रिकेट की नही बल्कि जिंदगी पर बात कर रहे थे।

कोहली ने यह भी कहा कि अगर उन्हें टेस्ट में नंबर-1 की रैंकिंग्स किसी टीम के साथ साझा करनी पड़ी तो वह कीवी टीम होगी। भारतीय टीम ने टी20 सीरीज जीतकर दौरे की अच्छी शुरूआत की लेकिन वनडे सीरीज में उसे जीत नसीब नहीं हुई और फिर पहले टेस्ट में बुरी तरह पिट गई। अब सवाल उठने लगे हैं कि अग्रेसिव कैप्टन और खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बना चुके विराट के लिए दोस्त वाला यह रवैया तो कहीं भारी नहीं पड़ गया।

कीवी टीम के प्रति मीठी-मीठी बातें करने वाला यह कोहली उस कोहली से एकदम जुदा था जिसे फैंस ने मैदान पर एक-एक रन और एक-एक विकेट के लिए अपनी पूरी ताकत और पूरा आक्रामक रुख अपनाते

देखा था। न्यूजीलैंड पहुंचने और मेजबानों के खिलाफ टी20 सीरीज में 3-0 की जीत के बाद टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली के स्वभाव में आए इस परिवर्तन के बाद भारतीय टीम एक भी मैच नहीं जीत पाई।

ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि क्या टीम अपने आक्रामक तेवर को भूल चुकी है, जैसा कि पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों और कोहली के रवैये को देखकर लगा। दसवें नंबर के बल्लेबाज का विकेट लेने की चाहत में भी तड़प उठने वाले कोहली न्यूजीलैंड के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों के आउट होने पर भी केवल गंभीर जश्न मनाते दिखे। उनके गेंदबाज कीवी बल्लेबाजों से आंखें मिलाकर उन्हें चुनौती देने और उनकी एकाग्रता भंग करने की कला भूल गए।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ को भी लगता है कि अच्छा बनने की चाहत टीम इंडिया को नुकसान पहुंचा रही है। उनका मानना है कि मैदान पर टीम इंडिया जरूरत से ज्यादा शालीन दिख रही है। उनके खेल में वह उग्रता वह इंटेसिटी नजर नहीं आ रही। कैफ ने अपने एक ट्वीट में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम इंडिया की हार पर समीक्षा करते हुए कहा कि भारत को दूसरे टेस्ट में उतरने से पहले अपने कुछ पहलुओं पर दोबारा काम करना होगा। उन्होंने कहा कि टीम को अपनी ओपनिंग पार्टनरशिप सुधारनी होगी। बल्लेबाजों को बोर्ड पर बड़े स्कोर बनाने होंगे और साथ ही अपने खेल में थोड़ी और इंटेसिटी लानी होगी। इन सलाहों के बाद कैफ लिखते हैं कि टीम को मैदान पर अपनी अच्छाइयों में थोड़ी कमी भी लानी होगी।

क्रिकेट में कमबैक की तैयारी, रांची स्टेडियम में प्रैक्टिस करते दिखे एमएस धोनी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर रांची के जेएससीए स्टेडियम में प्रैक्टिस करने उतरे। उन्होंने स्थानीय क्रिकेटर्स के साथ नेट्स पर पसीना बहाया। पिछले साल जुलाई में इंग्लैंड में वर्ल्ड कप का मैच खेलने के बाद से धोनी के भविष्य को लेकर कयास लगते रहे हैं। हालांकि, धोनी ने आधिकारिक तौर पर अपनी ओर से कोई बयान नहीं दिया है।

धोनी ने पिछले साल नवंबर में कहा था कि उनके फ्यूचर प्लान को जानने के लिए जनवरी तक का इंतजार करें। धोनी ने जनवरी

में रांची में ही झारखंड रणजी टीम के साथ एक दिन अभ्यास किया था। यह दूसरी बार है कि वह नेट्स पर पहुंचे। इस बीच चेन्नै सुपर किंग्स ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि धोनी 1 मार्च से चेन्नै में होंगे और आईपीएल की अपनी टीम के साथ अभ्यास करेंगे।

इस बार वह चेन्नै सुपर किंग्स को चौथी बार चैंपियन बनाने के लिए कमर कसेंगे। पिछली बार धोनी की टीम टूर्नामेंट के फाइनल में सिर्फ 1 रन से यह खिताब चूक गई थी और मुंबई इंडियंस चैंपियन बनी थी। इस बार टूर्नामेंट का पहला मैच मुंबई इंडियंस और चेन्नै सुपर किंग्स के बीच वानखेडे.में ही खेला जाएगा।

प्रजनेश पहले दौर में हारे, पेस आगे बढ़े

दुबई। इस सप्ताह के शुरू में भारतीय खिलाड़ियों में शीर्ष रैंकिंग गंवाने वाले प्रजनेश गुणेश्वरन को दुबई ओपन टेनिस चैंपियनशिप के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा लेकिन अनुभवी लिएंडर पेस युगल में आगे बढ़ने में सफल रहे। प्रजनेश को पहले दौर में आस्ट्रिया के क्वालीफायर और विश्व रैंकिंग में 96वें स्थान पर काबिज डेनिस नोवाक से 4-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटे 17 मिनट तक चला। प्रजनेश इस सप्ताह के शुरू में एटीपी विश्व रैंकिंग में नौ पायदान नीचे 134वें स्थान पर खिसक गये थे। उनकी जगह अब सुमित नागल भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी बन गये हैं। नागल भी एक पायदान नीचे खिसके लेकिन उनकी रैंकिंग 127 है। इस

बीच युगल में पेस और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने पहले दौर में क्रोएशिया के इवान डोडिग और स्लोवाकिया के फिलिप पोलासेक को एक घंटे सात मिनट में 6-4, 6-3 से हराया। पेस और एबडेन अगले दौर में हेनरी कोंटेनन और जान लेनार्ड स्ट्रफ की जोड़ी से भिड़ेंगे।

बार्सिलोना ने ड्रा खेला, बायर्न म्यूनिख ने चेल्सी को हराया

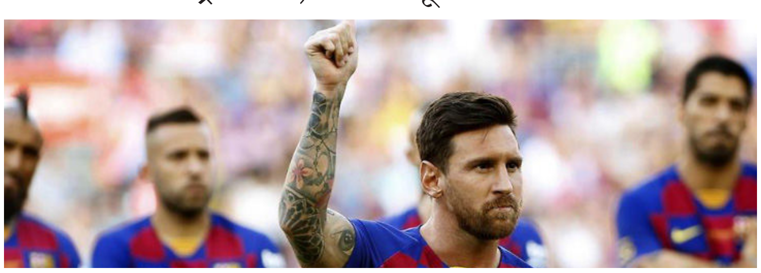

नेपल्स। एंटोनी ग्रीजमैन के गोल से बार्सिलोना ने मंगलवार को यहां चैंपियन्स लीग फुटबाल टूर्नामेंट के अंतिम 16 के पहले चरण के मैच में नेपोली के साथ 1-1 से ड्रा खेला। फ्रांस के ग्रीजमैन ने एक घंटा का खेल पूरा होने से ठीक पहले बराबरी का गोल किया। इससे पहले ड्राइस मार्टेन्स ने 30वें मिनट में गोल करके नेपोली को बढ़त दिलायी थी। उधर लंदन में सर्गे गनाबरी के दो गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने चेल्सी को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाये। जर्मन फुटबालर गनाबरी ने तीन मिनट के अंदर दो गोल दागे जिससे चेल्सी की मुश्किलें बढ़ गयी। राबर्ट लेवांडोवस्की ने बायर्न की तरफ से तीसरा गोल किया।

पृथ्वी साव को लेकर कप्तान कोहली इंतजार करने के पक्ष में

क्राइस्टचर्च। ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी ने पृथ्वी साव की कमजोरियों को उजागर कर दिया लेकिन भारतीय कप्तान विराट कोहली उनकी तकनीक में किसी भी तरह के सुधार करने के प्रयास से पहले देखो और इंतजार करो की नीति अपनाने के लिए तैयार हैं। इसकी वजह यह है कि उन्हें इस युवा सलामी बल्लेबाज के आउट होने में एक जैसा तरीका नजर नहीं आया। यह 20 वर्षीय बल्लेबाज न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंग्टन में पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 16 और 14 रन ही बना पाया और विशेषज्ञों को उनकी बल्लेबाजी में कुछ कमजोरियां नजर आईं।

भारत ने यह मैच दस विकेट से

गंवाया था। कोहली ने पहले टेस्ट मैच की समाप्ति के बाद साव के आउट होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, मेरा मानना है कि उनके आठ या दस बार इसी तरह से आउट होने के बाद हम बैठकर इस पर विश्लेषण कर सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि यह ऐसे खिलाड़ी के साथ न्याय होगा जो पहली बार विदेशी सरजमीं पर खेल रहा है और घरेलू धरती पर खेलने की तुलना में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग तरह के गेंदबाजी आक्रमण का सामना कर रहा हो।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस स्तर पर हमें इस बारे में चर्चा करने की जरूरत है कि क्या गलत हुआ क्योंकि मुझे कुछ भी गलत नजर नहीं आया। वह केवल चीजों पर सही तरह से अमल नहीं कर पाया था। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों में साव की बैकलिफ्ट सबसे बड़ी है और जब भी न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने शॉर्ट पिच गेंदें कीं, तब उन्हें परेशानी हुई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कटरीना की हुनर पर फिदा हैं रणबीर और रितिक

बॉलिवुड में शायद ही कोई ऐसा होगा जो कटरीना कैफ की खूबसूरती और स्टाइल से इंप्रेस नहीं होगा। समय के साथ कटरीना ने अपनी फिटनेस और ऐक्टिंग स्किल्स से भी लोगों को काफी इंप्रेस किया है। ऐसे में उनके को-स्टार्स उनकी स्किल्स से इंप्रेस न हों, ऐसा तो हो ही नहीं सकता है। कटरीना के पास एक ऐसा हुनर भी है जिससे उनके को-स्टार रितिक रोशन और उनके पूर्व बॉयफ्रेंड रनबीर कपूर भी काफी इंप्रेस हैं। दरअसल कटरीना को बाइक चलाना काफी पसंद है और उन्हें कई फिल्मों में भी बाइक चलाते हुए सीन दिए हैं। रितिक और रणबीर दोनों कटरीना के इस हुनर के गवाह हैं। अगर आपने फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' देखी है तो उसका गाना 'ख्वाबों के परिंदे' भी आपको याद होगा जिसमें रितिक कटरीना के पीछे बाइक पर बैठे हुए हैं। रितिक ने इस गाने के शूट के बारे में याद करते हुए बताया कि वह पहले कटरीना के पीछे बाइक पर बैठने पर काफी डरे हुए थे लेकिन उन्हें पता नहीं था कि कटरीना पिछली सीट पर किसी को बैठाकर इतनी बढ़िया बाइक राइडिंग कर सकती हैं। रितिक ने बताया कि उनके लिए यह एक गजब का अनुभव था। वैसे कभी कटरीना के बॉयफ्रेंड रहे रणबीर कपूर भी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात को जता चुके हैं कि वह कटरीना की इस स्किल से कितना इंप्रेस हैं। उन्होंने कहा कि जब बाइक पर आपके पीछे कोई बैठा हो तो आपको काफी कंट्रॉल रखना होता है। उन्होंने कहा कि वह खुद कभी किसी को पीछे बैठाकर बाइक नहीं चलाते हैं लेकिन कटरीना इस काम को बखूबी अंजाम देती हैं।

डबल रोल में दिखेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा

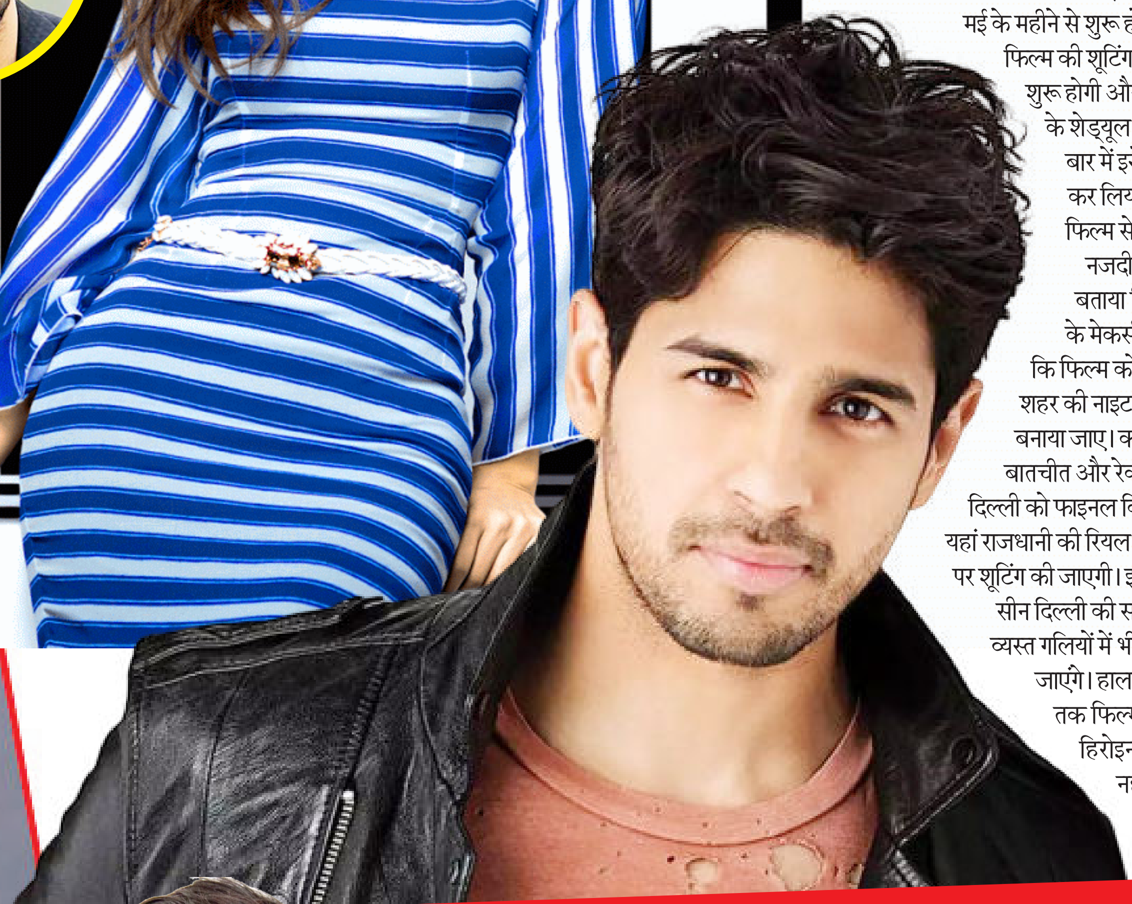

पिछले दिनों ऐसी रिपोर्ट आई थी कि को 2019 में आई तमिल सुपरहिट फिल्म 'थंडम' के हिंदी रीमेक के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा को साइन किया गया है। इस फिल्म में पहली बार सिद्धार्थ डबल रोल निभाते नजर आएंगे। इसमें उनका एक रोल एक बिजनसमैन का होगा जबकि दूसरा रोल एक छोटे चोर का होगा। अब खबर आ रही है कि इसकी शूटिंग मई के महीने से शुरू हो जाएगी। फिल्म की शूटिंग दिल्ली में शुरू होगी और 2 महीने के शेड्यूल में एक ही बार में इसे पूरा शूट कर लिया जाएगा। फिल्म से जुड़े एक नजदीकी सूत्र ने बताया कि फिल्म के मेकर्स चाहते थे कि फिल्म को एक मेट्रो शहर की नाइटलाइफ पर बनाया जाए। काफी लंबी बातचीत और रेकी के बाद दिल्ली को फाइनल किया गया। यहां राजधानी की रियल लोकेशंस पर शूटिंग की जाएगी। इसके कुछ सीन दिल्ली की संकरी और व्यस्त गलियों में भी फिल्माए जाएंगे। हालांकि अभी तक फिल्म के लिए हिरोइन फाइनल नहीं की गई है।

अली फजल ने रिचा को किया प्रपोज, अप्रैल में होगी शादी

पिछले काफी दिनों से बॉलिवुड में जिन कपल्स की सबसे ज्यादा चर्चा है उनमें अली फजल और रिचा चड्ढा भी शामिल हैं। दोनों को कई बार इवेंट्स में साथ में देखा गया है और दोनों ने अपने रिलेशनशिप को कभी छिपाया नहीं है। अब इन दोनों के फैन्स बेसब्री से इनकी शादी का इंतजार कर रहे हैं। अब खबर आ रही है कि यह कपल अप्रैल में शादी करने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अली और रिचा की यह शादी अप्रैल के तीसरे हफ्ते में होने जा रही है। बताया जा रहा है कि अली ने कुछ महीने पहले मालदीव में रिचा को प्रपोज किया था जिसका जवाब रिचा ने तुरंत 'हां' में दिया था। उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में इनकी शादी की डेट फिक्स कर दी जाएगी। माना जा रहा है कि शादी 15 अप्रैल को भी रखी जा सकती है। जैसा कि सभी जानते हैं कि सवाल इस बात पर नहीं था कि यह कपल शादी करेगा या नहीं बल्कि हमेशा से सवाल इस बात पर था कि यह कपल शादी कब करेगा? रिचा और अली की पहली मुलाकात साल 2012 में फिल्म 'फुकरे' के सेट पर हुई थी और तभी से दोनों की दोस्ती हुई और 2015 में दोनों ने डेट करना शुरू कर दिया। माना जा रहा है दोनों की शादी दिल्ली में होगी और इसके बाद मुंबई में शादी की एक ग्रैंड पार्टी दी जाएगी।